

THE INSTITUTE FOR
ADVANCED STUDIES
OF WORLD RELIGIONS

FILM—STRIP NO.
MBB—1971—15 - 18

BUDDHIST SANSKRIT
MANUSCRIPTS

MSB-1971-15
1. Film strip number

2
2. Source

VAIRA PRADIPA

3. Title

HEVAIRA, SĀDHANASYA VAIRA PRADIPANĀMA TIPPANĪ

11) TATTVAJNĀNA SAMSIDDHINĀMA SVĀDĪSTHANA, (2) JNĀNODAYA
4. Additional titles, shortened forms of title, etc.
PAṢJIKAYAM VĀHYĀTHIKA KUMBHĀSODHANA

A.S. 563 + 880 = A.D. 1743
5. Year in which MS was copied
(Nepali Sambat and Christian Era)

6. Name of scribe

NEPĀLĪ PAPER

7. Material (Palm leaf, etc.)

NEVĀRĪ

8. Script

13 cm. x 42 cm.
9. Size

9
10. Lines to a page

26
11. Number of leaves in complete work

12. Missing leaves

SURATA PĒḌA

13. Author and Date of composition
(if given)

14. Number of Chapters

15. Remarks Vaira pradipa is a kind of note book on Theravada dharma
written by Surata, a famous Siddha of Nepal of 18th century.
Within the serial number of it here are included two
more books, Tattvajñāna Samśiddhināma Svādīsthana
and Jñānodaya paṣjikāyam vāhyātmika kumbhāśodhana
To understand the Pañcāśāloprajñā the second one is
very important.

July 17, 1971
late photographed

CONTENTS

Chapter 1 JNĀNODAYA NĀDĪCAKRĀTMAKA GAMBHĪ-
RŪTPANNA KRAMA 504

2 JNĀNODAYA CATUŠKRAMA DĀVANA 635

3 JNĀNODAYA NĀDĪTRAYA DĀVANA YOGA 782

4 JNĀNODAYA SAHAJAPRAJNĀ YOGA 782

5 JNĀNODAYA YASANTATILAKA YOGA 781

6 SAMĀPTOYAMUTPANNA KRAMA 781

7 JNĀNODAYA PARJNĀ YOGA 811

8 JNĀNODAYA SATCAKRA VĪSUDDHĪ YOGA 945

HEVĀTRA SĀDHANA

1005

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

गद्यः सिंहवद्विचलितिरिहसमगलगतस्य नः॥ यं न स्य पिचवर्षं प्रविचरं न कर्तुं हि॥ निर्विकल्पात्मका ह्यत्रुं न यत्कामयं न कं॥ यतिगिनी हीधु मायागीनीः
यत्तय न मेयदीपूरातिवायुः कारिहं यूपकचविभननः॥ कृत्स्नं संवत्स्रिहव लेवसराः॥ लोभनं संवत्स्रं यन्मयूरं यन्मृगं विधकं विमर्षं दावविधसु
दकं॥ कृत्स्नासु सर्वसत्तामिहवहयहं नो मूखसी गगनगीनी नारी नो हं नृका कानि नयुगात्मा गगनात्मा नूयः॥ ॥ मूकिसुता दयप्रसूयावगः॥
मूधवद्वचकुविभुक्तिमाह॥ निष्ठास्थाने ललाटे च कर्णैश्च यत्नातिवः॥ लिङ्गमूर्तिदले यमं न कुपय ह्यमादनी॥ कर्णं च नृदुर्दले च वज्रधीवी कृतस्तरिगं॥
वदं नाना च संवत्स्रं नाना कृत्स्नासु च वदं॥ यं यदं लं च कीका च वदं यतिगिनी चं नः॥ हं नाना हं नृकृत्स्नासु च वदं॥ पत्रिकिर्हि नः॥ वदं नृकृत्स्नासु च वदं॥
न॥ गद्यः॥ वदं नृकृत्स्नासु च वदं॥ यतिगिनी चं नः॥ हं नाना हं नृकृत्स्नासु च वदं॥ पत्रिकिर्हि नः॥ वदं नृकृत्स्नासु च वदं॥
हं नाना हं नृकृत्स्नासु च वदं॥ यतिगिनी चं नः॥ हं नाना हं नृकृत्स्नासु च वदं॥ पत्रिकिर्हि नः॥ वदं नृकृत्स्नासु च वदं॥
हं नाना हं नृकृत्स्नासु च वदं॥ यतिगिनी चं नः॥ हं नाना हं नृकृत्स्नासु च वदं॥ पत्रिकिर्हि नः॥ वदं नृकृत्स्नासु च वदं॥
हं नाना हं नृकृत्स्नासु च वदं॥ यतिगिनी चं नः॥ हं नाना हं नृकृत्स्नासु च वदं॥ पत्रिकिर्हि नः॥ वदं नृकृत्स्नासु च वदं॥

कह्य

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ कर्मवृत्तसंज्ञाकृतकालिकप्रयामधुनं अत्र लावयन् ॥ कर्तुं पाठमनु-याताविशुद्धाष्टमादयस्तेष्वगविशुद्धाष्टमादयः कतिविशुद्धाष्टमादयः
व्याहरेणैवं संज्ञायन् ॥ गच्छदत्तपूजाउभयस्य नामधेयं कावलावयन् ॥ निरहिष्ठार्थिभक्तीविशुद्धाष्टमादयः कतिविशुद्धाष्टमादयः कतिविशुद्धाष्टमादयः
कुं मस्तु स्वचक्रं दत्तपूजाकावदिष्टार्थिभक्तानिरुद्धयविशुद्धाष्टमादयः कतिविशुद्धाष्टमादयः कतिविशुद्धाष्टमादयः कतिविशुद्धाष्टमादयः
कटिमान् ॥ मध्यवक्रद्वयं कावमिति ॥ कर्मवृत्तसंज्ञाकृतकालिकप्रयामधुनं अत्र लावयन् ॥ कर्तुं पाठमनु-याताविशुद्धाष्टमादयः
सहजानन्दस्वरसमुद्भवनिनामसागर्गमन्त्रात्मकम् मुक्तकल्लोदवाक्यं लक्षणम् अत्र सूचीसिंहं सिंहं महासंघीनिषत् ॥ विष्णुरूपकावयेमन्त्रानि
त्वानिरुद्धाष्टमादयः कतिविशुद्धाष्टमादयः कतिविशुद्धाष्टमादयः कतिविशुद्धाष्टमादयः कतिविशुद्धाष्टमादयः कतिविशुद्धाष्टमादयः
पाणिनाम् ॥ कर्मवृत्तसंज्ञाकृतकालिकप्रयामधुनं अत्र लावयन् ॥ कर्तुं पाठमनु-याताविशुद्धाष्टमादयः कतिविशुद्धाष्टमादयः
॥ कर्मवृत्तसंज्ञाकृतकालिकप्रयामधुनं अत्र लावयन् ॥ कर्तुं पाठमनु-याताविशुद्धाष्टमादयः कतिविशुद्धाष्टमादयः कतिविशुद्धाष्टमादयः
व्याहरेणैवं संज्ञायन् ॥ गच्छदत्तपूजाउभयस्य नामधेयं कावलावयन् ॥ निरहिष्ठार्थिभक्तानिरुद्धयविशुद्धाष्टमादयः

दलीवेलाया॥ तस्मिन्मन्त्रिनालंवातयावरुनाडीउयकरांप्रसासना॥ नाडुयानवरुनाडीलावयन॥ नडिदलंविन्दुयामिहिसिमुठनमनाडीका॥
अकिनादिनाकिनीसलावाभिलायमाजीवकांनवरिवायकंसनसुनेगीउकसमवेसमवेकावेदिदंविक्तयन॥ नडरुलेनयोरनवाजीमूसुयसुयन॥
नसर्वकथगतान्॥ अदयन॥ नादिमसेनमरुहुरेयरा॥ कमुलेनवयन॥ नकात्रिहिसुवीरुयमूमरुययवेममकुमावरुयन॥ सेवयुकासेवमुनिशु
नवममासादन्ति॥ ॥ नमिहानेदयनाडीवकासकयवमगंरीनसेवकनमा॥ ॥ किहानावल्लुगनीरुययगिया॥ गयनारुवक॥ कागंरुव
यदुईसर्वासाकावमुय॥ सिधुनकनमनीहवेमदमूयामानवशागुययदयसादनयगा॥ सासासेनव॥ नथनरु॥ वीरयवीवकिहानाकिहानावक
यूनमातलदरुनडवीवगा॥ कलाभनयनारुवक॥ षट्मासासिधुनहानविनामतिविवाययमिहिरिथा॥ नयययगउवक॥ ममिहिसुननीहीरुकीविला
यथा॥ नाहिरुकरु॥ नार्थयवनामिचकविकयन॥ नडनारिसुलेवउरुविषकीरुविषु॥ उरुदवीनांछउनभुनाकादिसुसवषाभादिविषु॥ नावउरुम
शीदलंकिहानविविशंनिर्मातवईदलषु॥ नमनेककसमदीनी॥ छविनत्यंनानिविलामनिकारिं॥ नत्यंनानवमथ॥ नयययलसुवंगययन॥ रुयन
स्यययविषु॥ नयययसंजामगविषु॥ नयययविमाकविषु॥ नययदलंउरुवउंरु॥ नयययवउंरु॥ नयययदिमलषु॥ नयययदीत्यंनकिदिगदलषु॥ नयययदीत्यंनो॥ नयययदीत्यंनो॥

[illegible]

जावमभनकावेतानिदिर्गैर्पर्वकपूर्ववद्विक्रयेषुडकाकिमतिपुहमासातंनदसर्वमसाभार्कयमवृटिर्नदिकुकेकमखेपिनर्गैवकपर्यादितंभर्मसूप्रह
तकपदयैविभयपमभयमिचडस्यस्यदतकलाकभर्कैडिंभश्चकपधर्नयकनमीकिरुवितंमहदहृदंविनसात्मर्कैचिकयदिनि॥ ॥कसा
नक्रालिकानिसमायागातिस्त्रावपदयंस्वसाभायवदसस्त्राविसनयातस्यस्यंदहंरुचननरयन।कथंवकाजगै॥प्रहभकिभूयं॥कसादकनि
कोहंविभुविदकनकाकनहवयि॥सुनकस्यदहीकनहंरुचनक।प्रहभयटनकाहंरुगवकाप्रविकानिसमायागावदसस्त्राविसनया॥प्रहभोहवयिभु
कैरुकायाननयमन्त्रि॥पूर्ववद्विक्रयेषुडकाकिमतिपुहमिर्कैवचनका॥सत्तयदनसहंरुनोर्ध्वविनिन्नुदवकयदसावहं॥कसाइयवकयदहं
कायापूनप्रयासकर॥वदनेसूर्यकहृदयविलसकदिननाचिकयकसंपूर्णसिद्धं॥कसाभवदिदकावभगवतभूहृदयवीहसुवर्द्धंकायं॥नचक्रिडवतभवेवि
लाया॥कहृदयवकसत्तहृदयभूयर्थ॥कथंदवकायटनकाहंरुचन॥सहंदिस्त्रावपदहंरुचंसूर्यमनुजं॥कथंरुहंरुकिस्त्रावसत्तयसत्तयनर्क॥कहृदमस्य
नर्कैकायटनकमहृदयविभववटकमभस्यैर्कैवद्विक्रयेषुडकाकिमतिपुहमिर्कैवचनका॥पूनरुहंकायविभक्तिहृदकासातंविस्त्रयभकहं
कायविभक्तिगदननकसर्वभूतदिर्गैर्पविमस्यदयवर्कैविस्त्रावदयवभाषणंभूकहंरुमवेमिर्कैकायटनकभउसुहंरुववदीहकात्ममहृदय॥व

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

एवं वीर्याय कृत्वा हि त्राय काश्रुविदुः दद्यात् न तेवानवदक विजयः ॥ श्रीमान् नृपि ॥ विजय मयि सद्रूपन कनेव सपद कमा कवो हिना मविजयथा विहृति स
 दृष्य कवद श्रुि कपर्य कमा ॥ कस्मादिह स्याय र्य कमासा कुरु क्रिया ॥ एवं वत्ता रे मदि पाद विभु ईव दि काव ड सु र्य सं सत्ता दमिति ॥ या सो नि र्माध विभु का क
 वस स्यात् वत्ता रे मविगु र्दना मय र्थ कया संदि ॥ श्रुत्वा काव स्या मा कमा कमा ना त्या दद्यात् ॥ कस्माद कने विना सद्रूपव का ग ॥ वयव र्था ना स्मि ति ॥ प ॥ अदि याति वद
 सुव कसु र्थ ॥ अदि वि र्य वीर्य डिय स ॥ डिय ॥ समाधि डिय पृष्ट डिय मि ति ॥ त्रि स पृष्ट यथ म ह क फ स ना गु ड डिय ग दन रु थ क ॥ श्रुत्वा द न कथा
 द्वितीय पुव र्त्त मा हा स न विना निवृत्ति मि हा य सं सा व क र्म कानां सं सा व क र्म कानां सं सा व मा सा य पु व र्त्त य की नि पु व र्त्त न ॥ वीर्य डिय ग दन रु थ क ॥ कन क हि
 र्त्त ग वा ग र्दु की य क्ता मि स न विदुः द विदुः व ग मा र्ग य द का व स स्या र्त्ति मा त्या द द्या सो स्म कथा स्म की डिय ग दन रु थ क ॥ विदुः का ग क व र्त्त ॥ अगु य द न
 सम्य क मा र्ग र्त्त न स ह क का विदुः का ग क स मा धि स र्त्त मि र्त्त वि र्त्त य क ॥ समा धि डिय ग दन रु थ क ॥ एवं वद विडिय धु र्त्त व सु र्त्त ॥ उ रे सा ग द ना न्य रु थ क ॥ वद
 सु र्त्त वि र्त्त ॥ प ॥ अ रे सा य क्ता का ना य थ पा का ना ॥ प ॥ अ र्त्त ग र्त्त द न रु दि का र स कि ॥ कन र्त्त व क मा नं व क नं द न स र्त्त ग स ह स र्त्त ॥ समं व द म रु र्त्त पृष्ट डिय ग
 द न स र्त्त य र्त्त पु मि र्त्त न मि डिय मि र्त्त य दि र्त्त ॥ क र्त्त मा र्त्त पा का ना र्त्त कथा ग क ना म न्या न रु द ना ना स्मि ति य द क थ व स र्त्त य व त र्त्त ॥ उ र्त्त सु र्त्त व र्त्त र्त्त मि र्त्त ॥ अ र्त्त य क

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

एषु निरुपगवर्तनिष्ठा यथा किनी न कात्मके ॥ यथा पूर्वतथा प्रयकार्यका ॥ सम्प्रत्यनरुपगवर्तमापो ॥ ददन्ना किनी चर्तु निरुपगव ॥ वलिननैपुनिन (येव) ॥ किस्वयवज
 नका ॥ स कश्चि न नीया इह दमनार्थ ॥ कर्मयोग नुपगवर्तमात्रि ॥ यथा ज्ञाना च वाच (सोया) दिमकु जाययु दिवसा जायसा मालि धिरुगवर्तनी तन्ना निवसति कययमि
 नी सचिनाला मि ॥ वेकन नमूला यदह दयाय दह दया नी कायहा ॥ ना नाने वा लजध (गोया) दी नाह दयमकु जजयचं ॥ कशयवम ॥ चकु म (ध) पु सत्तम व मात्माने इह ॥ न
 नेव विविता मकु न नाति दव नी मखा दिनिर्ह कानि सव नि कानि सु मखय विध वजता (ही) सुह म्ब दव नी यम पु विहाति पुन दव नी मखा क सु म्ब म न नेव कु म ॥ विः
 दिर्त मकु मावर्तय ॥ इति दाला जाय ॥ ह सूर्य मकु क ना वि विना स्या त व नि कानि दुर्ह नि वखा विध व ना नि ॥ इति विधु जा य ॥ ॥ व म कु क ना ति म कु न ॥ व य
 म कु न ॥ व य मा धु त्या ना क म्ब वा इजा दय नी मन सा वा ड य मि नि ॥ समय जा य ॥ ॥ व द न ना क र्क ग कु ति वि न य ॥ य (ध) व य न प ल म्ब य क म्ब स ॥ ना ति का
 या ति क य धि ॥ स ग (ध) वा ध व न न प ल म्ब य (ध) व य न द वा ध य व ग यि र्ग म्ब य र्ग ॥ इति व द जा य ॥ ॥ क न इ पूर्वा क क म्ब का (ध) व द प द निष्ठा य य ॥ क
 म न इ का ॥ त स व यि ला पु व म्ब मा क पु व य नि क य ति क ल क ॥ ॥ इति नि क यि ला ग क म्ब न स ता वे व क र्क र्क य का ती क न न प ल म्ब य ॥ व द व क प ल वि
 ना ह य म ल हि ग ह का र्क यि का नी धि काने नू या क क र्क र्क द व व र्क य ग क ॥ व न नी क व द य पु व वि ना य क न दुर्क सी व व कु व हि न म्ब यि सु म्ब जा क ना ती क मा इति ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]